सर्वाधिकार सुरक्षित

# श्रीपंचस्तवी अम्बास्तवः

## चतुर्थः

संपादक

पं० गोपी नाथ सपरु मदन काशमीरी

मानु महल्ला श्रीनगर

मूल्य ।)

कृष्णा प्रन्टिंग प्रस श्रीनगर

# शिव शक्ति

शिव और शक्ति परम शिव अर्थात् परम तत्व के दो रूप हैं। शिव कूटस्थ तत्व है। और शक्ति परिणामिनी है। विविध वैचित्र्य पूर्ण संसार के रूप में अभिव्यक्त शक्ति का आधार एवं अधिष्ठान शिव है। शिव अव्यक्त, अदृश्य, सर्वगत एवं अचल आत्मा है। शक्ति दृश्य, चल एवं नाम रूप के द्वारा व्यक्त सत्ता है। शक्ति-लीला रूपा शिव के अनन्त कोटि ब्रह्माण्डों की रूप धारण कर तथा उनके अन्दर सर्ग स्थिति एवं संहारकी विविध लीला करती हुई नृत्य करती रहती है। शिव का साक्षात्कार करना व्यष्टि-भावको लाँघकर ऊँचा उठना है। इस व्यष्टि-भाव के अन्दर उपाधियुक्त एवं व्यावहारिक जीवन का ज्ञान एवं दुःख कारण है। शक्ति के चरणों में आत्मा समर्पन करना ही शिव के साक्षात्कार का अर्थ है। आत्म समर्पण अर्थ है देहाभिमान अथवा अहंबुद्धिसे सर्वथा ऊपर उठ जाना है। जीवन के सूक्ष्म एवं स्थूल दोनों ही रूपों में जो कुछ भी क्रियायें, परिवर्तन एवं चेष्टायें होती हैं। सब शक्ति के ही कार्य हैं। और यह शक्ति बृहद्ईश्वरीय तत्व है जो समस्त चराचर जगत में व्याप्त है। इस तत्व के समझने से यह अवस्था प्राप्त होती है। "शिवः"

(बाकी पांचवें स्तंभ में)

اوم

اَس چھہ بھگوانہ سنز کران پُورن
دِیو وکلیان شبد بوز تن میہ کن
تن انگ نہ نیتر کلیان وُچھتن
سُوی لیش دول کرتن میہ پوشن
سارسی چھو ویا پک میندر بوز تن
پُوشا گیان وان کلیان کرتن
ارشیٹ گالوُن گرڑ کلیان ورتن
بدھیئے برہسپت پوشٹی ورتن
بھگوانہ دُور کرترین تا پن

---

اوم آتمہ تو تم شُودیا مے سوا ہا اوم ویدھیا تو تم شُودیا مے سوا ہا
اوم شِوہ تو تم شُودیا مے سوا ہا

اوم نمہ زگت امبکا یئے ۔ اسے شری زگت امبکا ستوتر
رانر سے شری زگت امبا ۔ ہریم بیزم نمہ شنختے ۔ شریم
بیتنے کیلہ کم ۔ زگت امبکا ۔ پاہی ۔ زپی ۔ ونہ یوگا ۔

---

ॐ

ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं
पश्येमाक्षभिर्यजत्राः। स्थिरैरङ्गैस्तु-
ष्टुवाꣳसस्तनूभिर्व्यशेम देवहितं यदायुः॥
स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति नः पूषा
विश्ववेदाः। स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः
स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु॥ ॐ
शान्ति! शान्ति!! शान्ति!!!

असि हि भगवान् सर्व्व कमान पूरन्।
दीवव कल्याण शब्द बूरु तन म्य कन॥
तन अन्ग तू न्यत्र कल्यण वुरुतन।
मुय यप्पवोल करितन म्य पूषन॥
सारस्य ङु व्यापक पन्न बूरुतन।
पूषा ग्यानवान कल्याण करितन।
अर्ष्ट गालु वुन गरुड कल्याण वरितन॥
बुद्धी बृहस्पत पुष्टी करितन।
भगवान् दूर कर न्यन तापन॥

ॐ आत्म तत्त्वं शोधयामि स्वाहा। ॐ विद्या-
तत्वं शुद्धयामि स्वाहा। ॐ शिव तत्त्वं शोधया-
मि स्वाहा॥ ॐ नमः जगत अम्बिकायै। अस्य
श्री जगत अम्बा ह्रीं बीजं नमः शक्ति श्रीं इति की-
लकं जगत अम्बा प्रीत्यर्थे पाठ/जपे विनयोगः॥

انگ نیاس:- اوم انگشٹا بیام نمہ۔ ہریم ترجنی بیام نمہ۔ شریم مدھیما بیام نمہ۔ کلیم انامکا بیام نمہ۔ ستوم کنشٹکا بیام نمہ۔ ایئم کرتلہ کر پرشٹا بیام نمہ۔

ہردے نیاس:- اوم ہردیائے نمہ۔ ہریم شرسے سواہا۔ شریم شکھائے ووشٹ۔ کلیم کوچائے ہوم۔ ستوم نیتر تریائے ووشٹ ایئم استرائے پھٹ۔

پرانایام:- اوم ہریم شریم کلیم ستوم ایئم۔

دیکھ بندن:- اوم بھوربھوہ سوا۔

— دھیان —

ہردے کملن مدھیہ سنستھیہ روزان
پراتا کمالہ سوریہ شش چھیہ نروتان
پاش انکوش رشٹ منوہر روپ
ورنہ ابھئے مدرا یہ سان سروپ
ترے نیتر دارہ ون ووزل وستر ے
پوزان چھس کریم میہ سیدھ کامے

گائتری:- تت پورشایہ ودمہ جگت امبا یہ دی مہی تنو شکتی پرچودیات۔

جپ:- "۱۰۸" بار منتر جاپ

اوم۔ ہریم۔ شریم۔ کلیم۔ ستوم۔ ایئم۔

अङ्गन्यासः- ॐ क्लीं अंगुष्ठाभ्यां नमः। ह्रीं तर्जनीभ्यांनमः।
श्रीं मध्यमाभ्यां नमः। क्लीं अनामिकाभ्यां
नमः। स्तौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः। ऐं कर-
तल करपृष्ठाभ्यां नमः।

हृदयन्यासः। ॐ हृदयाय नमः। ह्रीं शिरसे स्वहाः।
क्लीं शिखायै वषट्। स्तौं नेत्रत्रयाय
वौषट्। ऐं अस्त्राय फट्।

प्राणयामः) ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं स्तौं ऐं

दिग्बन्धः) ॐ भूः भुवः स्वः।

(ध्यान)

हृत्पण्डरीकमध्यस्थां प्रातः सूर्यसमप्रभाम्।
पाशांकुशधरां सौम्यां वरदाभयहस्तकाम्।
त्रिनेत्रां रक्तवसनां भक्तकामा दुघां भजे॥

हृदय कमलस मध्य बसइ रोज़ाना।
प्रातः काल सूर्य हिय्यइ ज़ोताना।
पाश अङ्कुश धरिय मनोहर रूप।
वर अभय सुदराचि मानस रूप।
त्रिनयन दाख वन्य बुज़ुहि वस्त्रय।
पूज़ान कुस करयम सिद्ध कामय॥

गायत्री) तत्पुरुषाय विद्महे जगत धात्र्याय
धीमहि तन्नो शक्तिर्यै प्रचोदयात्।

(३ बार पढ़ें)

जप) १०८ बार मन्त्र जप।
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं स्तौं ऐं।

یامام استنتہ مُنیا پر کرتیم پُورانیہم  ویدیو تیام شروتیر ہیہ ودو
تام اردہ پلہ ویتہ شنکرہ روپ دار  دیویم منتہ شرہم

۱۔ ئیس شخنہ رلیش ونان چھی مولہ پر کرتی چھے
ویدیم پران تموٗ وون ویدھیا یہ روپ چھے
سُوی کار بینی چھیہ شوہ منتر اردھانگنی چھے
ایکاگرہ چت بنتھ کیت شرنے بوآسے

امبستوے شو توہ تاوتھ اکرتر مانے  کنٹھی بھونتہ اپہ سام اپہ گوسم فنانے
ڈیمبھ مے توتر سادسہ منجہ سالپے  واتسلہ نیگنہ ہردیام بھوتیم ذلوتی

۲۔ برہماتہ دیلوتا کیت گماٹل تہ بودھمان
توتا ہیکان نہ کرتی چیان زن چھ انتران
ادہ باکس میہ مُورخس توتا لگیم پر کر
ونہ پریمہ رسہ برکتہ بومن مآج زہ خوش کر

## لیلا

رازہ رازی شوری بوز زارہ پار
شری چکر س منتر چھو چون دبار

رلیش چھی ونان مولہ پر کرتی چھک  ویدیرہ ون ونان ویدھیا چھک
کار بینی زہ شوہ منتر ژی تس نار
برہماتہ دیلوتا رودر انتران  ادہ باکس بوکرہ کوہ ان مان
تونہ کرہ لولہ سیت ماجر زار پار

ॐ

यामामनन्ति मुनयः प्रकृतिं पुराणीं।
विद्योति यां श्रुति रहस्य विदो वदन्ति॥
तामऽर्धपल्लवित पाङ्कर रूप मुद्रां।
देवीमनन्य शरणां शरणं प्रपद्ये॥१॥

यस्य शक्तिर्यष वनान की मूल प्रकृती ह्यय
बाढ इम प्रान तिमव वृन व्यद्याचि रूप ह्यय
सुय कार्यनी द्य शिव सून्न ग्रर्धान्गनी ह्यय
ईकागर ह्यश वनिय क्यश शरणो ब्रह्मासय॥

---

ग्रम्बस्तवेषु तवतांवदकर्तृकारि।
कुण्ठी भवन्ति वचसामपि गुम्फनानि॥
द्विग्भस्यमे स्तुतिरऽसावऽसम ञ्जसापि।
वात्सल्य निघ्नहृयां भवतीं धिनाति॥२॥

ब्रह्म तू दीवता ह्यश गाटल तू बुद्धिमान।
तोता ह्यकान नू करिष्यय च्याञ्ज़न छिग्भान्नान॥
ग्रद् बालकस्य मूर्खस तोता तग्यं कर।
वनू प्रेमरस् वनिय ब्रू मन मांज तू खूषकर॥२॥

लीला

राजराजीश्वरी बोज़जारपार ।
श्री ब्रह्मास मन्ज़ छु चोन दरबार॥
यर्षा छी वनान मूल प्रकृतीह्यख वीढ पूरून वनान च्यद्या ह्यख
कार्यनी शिव सून्न ग्रूय तस नार॥१॥
ब्रह्मा तू दीवता ग्रति ग्रग्भान ग्रद् बालक ब्रू कर् कवू मानमान
तोति कर् माजि लोल ग्राय ज़ार पार॥२॥

وِلُو مِیتہ بندو ریتہ نا دیتندو لیکھا  رُوپے تہ داخ بھوہ تنوریتہ ماترکیتے
لِشندو مانہ سوکھ بُودسودا سرُو پا  ویدیو تسے منسہ باکُوتام جنانام

۳۔ چت وِیرش وُیکھری ژی مدھا چت آکاش
واخ بھُومی شبد راشی رُوپ اما کلا چت پرکاش
اکار خکا شبد رُوپ شود بودا مرت چھک
امرت پرواہ تہ بھکتن منہ منز گوان چیک

---

آویو ربوت پولکہ سنتہ بیر شریرے  لِشندو مان سلہ لے رہتہ لنچھ نیمنہ
واخ بیچھ گدگد پلا بِراوُپاستی سے  پادوُ تو امبہ بھونے شونہ ایوہ دینام

۴۔ ویسمر شریر ستھاوت موت ہیو وچھلے
نیترواشچر یس دھیار آسی وسا نے
زیہو آسہ زان کھو کھرس پوزان زیہ دیوی
نرین کو کنی اندر یوگ دھنوادس چھو دیوی

---

( شری چکرس منتر چون در بار )

چت وِیرش وُیکھری مدھا آکاش  واخ بھُومی شود رُوپ شود بودگاش
امرت بھکتن منہ تیزہ ننار
اڈہ کچ زیہو نھرہ نھرہ دار پان  موت ہیو نیترواد ش وسان
پُوزو اتھ کن یس لبہ دربار

व्योमेति बिन्दुरिति नाद इतीन्दुलेखा।
रूपेति वाग्भवतनूरिति मातृकेति ॥
निःष्यन्द मान मुखबोधसुधा स्वरूपा।
विद्योतते मनसि भाग्यवतां जनानां॥ ३॥

ज्यथ व्यमर्श वैखरी व्यय मदिमा ज्यथ आकाश।
वारव भूमी शब्दराशी रूप आकाश ज्यथ प्रकाश॥
आकार ककार शब्द रूप घुद बूद अमृत ह्यख।
अमृत प्रवाह ज्यू भक्तिन मनि मन्त्र गुहान ह्यख॥

---

आविर्भवत्पुलक सन्तुतिभि स्तरी दै।
निष्यन्दमान सलिलै र्नयनैश्च नित्यम॥
वाग्भिश्च गद्गदपदाभि रुपासते ये।
पादौ तवाम्ब भुवनेषु त एव धन्या॥ ४॥

ज्यमर शरीर शोवय अत हियो बुद्धानय।
न्यवव आप्रिच यस ठार आसी वसानय॥
ज्यव आसि ज़न ज़ुखुर तस पूज़ान ज्यदीवी।
ज्यन लूकनूय आन्दर युग्य दनवादम हुदीवी॥

---

( श्री ज्यास मन्त्र ओन दरबार )

ज्यय व्यनर्ब वैखरी मदिमाआकाश वम्भूमी घुद्धरूप शुद्धबूध गाश
अमृत भक्तिन मनि तीज़ूतार॥
आड़ कोजि ज्यय अर घरि ठारपान अत हो न्यनव शोषवसान

पूज़ि इय कनि युस लबि ठरवान॥

وقتم یدو دِلوتم اچھشٹ تئے بھوتیا  تو بیہم نمویدیہ دیوی شرا کروتے
چیتشچہ یت تو یہ پرا یہنم امبتانے  کسیا پہ کیرا پہ بھوتہ تپو وکشیتے

۵. ئیس سادکس موخ لگتھ تو تا یہ منز چھوی
سُوی ئیس پرنام کرہ نس کلہ لون نمان چھوی
سُوی ئیس چھو بہ لوٗ منہ منز لی تس گنان چھوی
تس چون پرتاپ تیہ سیت اگہ وزہ بنان چھوی

---

مُولالہ والہ کو ہرات وودنا یہوانی  نرِ بیدہ شٹھ سرسمہ زانہ ترٹت لتیوہ
بھویو پہ تنترہ وِنشی دروم انڈ لبدو  لشذ دمان پرامرتہ تو یہ رقو پا

۶. دُوزطہ ہشی وودتھان چھک مُولادھارآی
سادلیشٹھان منہ پورک آناہت چکرآی
ولیشودہ اگیا چکرہ منز برہمہ رندرہ دارای
امرت کملا بنتھ ایوان بیہ مولادھارای

---

( شری چکر س منز چھو چون زبان )

ئیس بھکتس لگی پوزہ کن من  پرنام کرلس کلہ شوہ سوکھ
تس زہ لوٹھ توای کن یکبار
مولادھارہ وونزطہ ہش ژی  شن چکرن منز دُوتھو نی
واتان بیہ چھک مولادھاری

वक्तुं यदुद्यतमऽमिष्टतये भवत्या।
स्तुभ्यं नमो यदऽपि देवि शिरः करोति॥
वेतश्च यत्वयि परा यरामऽम्ब तानि।
कस्यापि कैरपि भवन्ति तपो विशेषैः॥५॥

यस साधकस मुखलगिथ स्तोतयि मन्त्र कुय।
सुय प्रणाम करनस कल बुन नमान कुय॥
सुय यम कु भाव मनि मन्त्र ती तस गनान कुय।
तस च्योंन प्रताप तय मूत्य कुनि विज़िबनान कुय॥

मूलालवाल मुहरादुदिता भवानि।
निर्भिद्य षट् सरसिजानि तडिल्लतेव॥
भूयोऽपि तत्र विभासि ध्रुवमंडलेन्दु-।
निःष्यन्दमान परमामृत तोय रूपा॥६॥

वुज़मलू हिशी वुथान च्यवु मूलाधाराय।
साद्विष्टान मनिपूरक मनाहित चक्राय॥
व्यपाद्य ग्रन्थया चक्रमन्जि ब्रह्मरन्द्रदाराय।
क्रमुत कला बनिय इवान च्यवि मूलादारय॥

(श्री चक्रस मन्त्र च्योन दरबार)

यस भक्तिस लगि पूज्यकुन ब्रुख प्रनामस थवि कल सन्मुख।
तस नूटोऽख तवाय किन्य यखबार।
मूलादारु वुज़मलू हिशन्यूय पुन चक्रन मन्जि वुथनूय

वातान च्यवि ख्यख नू मूलादारव

رگدم یدا مدنم ایکہ انیکہ واتے  موگدا کٹا خہ ویدیرا نکو ریا چھارا
دتے تدا پربہ رتہ دیو للات لیکھتم  ستیم ہرا لیوہ مکلی کرمتم نیدو مٹوولے

۷۔ دیوی شنون بھسم کو رسیلہ کمامدیوس
کو رتھن کٹا خہ او تھین دت روپ کیت تس
تنہ کو رشنون نیتر بند یلہ گو لزا یے
پنڈوی للاٹ نیتری بند پورہ آ یے

---

ایکنیا تہ سم بھوہ مناکلہ تا نہ وام  بلکھم کپا لینم او اسیہ مندیوتی یام
پچورو سم کمرہ اگرہ نہ منگلتو بھوتیا  شنبھم کہ ایوہ لو لوڈے گرارہ کیے

۸۔ بے پاروتی جنمہ نش بس دور سو بھو
کو لہ روست بلکھیوک مکھیر ہتھ سو شنبھو
آ سنہ بیلہ ژہ تس مروٹھ کنس زانے تس
او تھین جگت تیلہ گو بیلہ پان دورٹھ تس

---

( شری چکرس منتر چھوچون دھار )

کامس بھسم کور شوہ نا تھ  چیانہ نظرے گو بیہ او تھین
او دہ دورٹ میتر بم رودس نہ مارے  جنمدرش دھ لیں پان پانہ پوی  کولہ رسنس زانہ کس ژرے روشنوی
پان تس دورٹھ گو بیدہ سمار

दग्धं यदा मदनमेकमनेकधा ते ।
मुग्धः कटाक्ष विधिरङ्गरयां चकार ।
धत्ते तदा प्रभृति देवि ललाटनेत्रं ।
सत्यं ह्रियेव मुकुली कृतमिन्दुमौलिः ॥

देवी शिवन भस्म कृर यलि काम दीवस।
कृरथन कटाक्ष उत्पन दिव्य रूप कृत्य तस॥
तनुकृ शिवन ति न्यत्र बन्द यलि गव ल़ज़ाये।
पन्तुय ललाट न्यत्रुय बन्द पूर ल़ाये॥

अज्ञात संभवमऽत्रा कलितान्यवार्यं।
मिच्छं कपालिनमऽवासममऽवृतीयाम्॥
पूर्वं कर ग्रहण मङ्गलतो भवत्याः।
पाणिं क एव बुबुधे गिरिराज कन्ये॥८॥

हे पार्वती! ज़न्म निष्प युस दूर स्वयम्भो।
काल वस्त व्यलुक छगम बर स्वपूर ह्यष सुशम्भो।
अासूरवनू तस चू त्यलि ब्रोन्ठ कुस ज़ानि हैतस।
उत्पन जगत त्यलि गव यलि तस वुवुथ पान॥

(श्री चक्रस मन्ज़च्योन दरबार)

कामस भस्म कृर शिवनथन च्यानि नज़रे गव न्यलि उत्पन।
अद वुट न्यत्र तमिट्टुसनू वार
ज़न्म निष्प दूर युस पान पानहुय कृलरसातिस ज़ानि कुसच्य
पान तस वुवुथ पांठ गव संसार॥ वुमतुय

چرما برم چہ شوہ لبسم ویلی پنم چہ  بیکھیا ٹنم ژہ ننٹنم چہ پرنہ بھوتو
ویتال سم ہتہ پرے گرہتا چہ شمبو  شو بھام سہرا نہ گرجے ژہ سا ہو چریا

۹. لیس ژم ولتھ تنہ لیس شہ سور ملتھ چھوی
پھران چھو بیچھون زن نثرون شمشانہ چھوی
بھوت پریت پشاچ پروارتھ چھوی سو شمبو
گرجے اژہ سیت لس چھیک اژہ شوب سو شمبو

---

کملیو یہ سم ہرنہ کیلیشو پنڈتانے  چنڈانہ کھنڈہ پرشوا پہ تانڈوانے
آلوکی تنوہ کو طہ تانہ تانہ  لاسیات منا پرہ نمنہ جگت ویبھوتے

۱۰. بہادِ لوہ سند لکھیون ناچ سہار چھو کلین
سند نثرن گندن چھوی سہار جگتن
چیان ناچ روپ درشٹی زگتچہ ویبھوتی
جگت ایشوری نہ ژی چھ چھیک ژی ویبھوتی

---

(شری چکرس منز چھو چون دربار)

ژم چھس ولتھ بیچھون نہ رمون  نثرون شمشانن سور ملون
تس ژہ شوب یس چھ بھوت پریت پروار
شوہ سند ناچ سہار جگتن  چون ناچ چھس ویبھوتی ہن ہن
جگت ایشوری چھیک سوہم سہار

चर्माम्बरं च फणिवस्त्र विलेपनं च ।
भिक्षाटनं च नटनं च परेतभूमौ ॥
वेताल संहति परिग्रहता च शम्भोः ।
शोभां बिभर्ति गिरिजे तव साहचर्यात् ॥

यस त्रम वलिथ तनि युस फाव सूर मलिथ छुय।
फेरान छु बेछुवुन ज़न नन्नवुन पुंप्रान छुय ॥
भूत प्रीत पिशाच परिवार ह्यथ छुय सु शम्भो।
गिरिज़े ! च्यू सूत्य तस ह्यरव ग्रद पूव सु शम्भो॥

---

कल्पोप संहरण केलिषु पराङ्मितानि।
चराङानि त्रवराङपरशोरपितारण्वानि॥
आलोकनेन तव कोमलितानि मात-।
र्लास्यात्मना परिणमन्ति जगद्विभूत्यै॥

महादेव सुन्द कठ्योन नाच संहार छु कल्पन।
तमि सुन्द नन्नुन गिन्दुन छुय संहार जगतन॥
च्यांन नाच रूप दृष्टी जगत् च व्यभूती ।
ज़गत ऐश्वरी ति च्यू ह्यरव च्यू ह्यरव व्यभूती।

---

(श्री चक्रस मन्ज च्योन दरबार)

चं ह्यस वलिथ बेछुवुन रमवुन नन्नवुन पुंप्रानन सूरमलवुन।
तस च्यू पूव यस छि भूत प्रीत परिवार॥
शिव सुन्द नाच संहार जगतन चोन नाच व्यभूती हन्द हन्द
जगत ऐश्वरी ह्यरव सूरव संसार॥

جنور اپنچہ متو سنہ کرمہ سامے  لشیشہ پاشہ پٹلہ ژھیدر انیشات
کاریہ نو بھوہ سہ شامبھوہ دیو دیوتا  کاریہ نو بھوہ سہ شامبھوہ دیو دیوتا

۱۱۔ زیوس آخیر جنم وتھ چھیک  موکل اوان
او نہ بد کرم تہ تمس چھیک ناہناوان
گور وتھ کرپایہ شوشت وتھ چھیڑہ ناوان
نتہ تا نتہ کرمہ بھاتین چھک گاش ناوان

---

موضتاو بھوشن وتی نوہ وے درمابام  یہ چے تسے سفر سہ تارکہ تیوہ سندیا
ایکاسہ ایوہ بھوصا تریہ سندری لم  کندر پتام ورجتہ پنتر شوریم وناپے

۱۲۔ بھوشن گنڈت ژیہ موختلک نولدرہ تابان
تارخ ہیوی سروپ زن لیس چھک ہ باتان
سوی بھگت سندر یئولش بیون یلہ چھوروان
نزیکو کہ سندرین ہند کامہ بیز چھوزانان

---

(شری چکرس منز چھوچون دربار)

زمہ کرمہ رتہ کرتہ موکلاوان  گور وتھ شوہ شخت وتھ ناوان
نتہ بھاتین وتھ چھک تیزہ تار
موخنہ مالہ نال تارخ ہیوسروپ  بیندر یئولش بیتھ زانہ لیس یہ روپ
سوی کامہ بیزک زانہ ویوہ تار

जन्मोदय [illegible] तनोः सति कर्मसाम्य।
निष्पेष [illegible] पटलच्छिदुरानिमेषात्॥
कल्याणि! दैशिक कटाक्षसमाश्रयेण।
कस्तायतो भवसि पात्रमवेदवीज्ञा॥३७॥

जीवस्य मन्त्रवर जन्म [illegible] ह्यस्व भ्रूकलावान।
मद बद कर्म ति मासिद्य ह्यस्व नाहनावान॥
भ्रू दिश कृपायि शिव शक्ति वश्य ह्यस्व हावान।
नतु तान्त्र कर्म भक्त्यन ह्यस्व गाष ह्यानान॥

सुक्ताविभूषशवती नवविद्रुमाभा॥
यद्वेतसि स्फुरसि तारकितेव सन्ध्या॥
एकः स एव भवन त्रय सुन्दरीणां।
कन्दर्पतां व्रजति पञ्चशरीं विनापि॥३८॥

भूषन गन्दिय त्रय भ्रूरत्नुक नवतदरावान।
तारस्व हिह्रूय स्वरूपज्ञन यम ह्यस्व भ्रूनतान।
सुय भक्त यन्द्रयव निष ह्यन यलि हुरोपान।
त्रयलोक सुन्द्रयन हुन्द कामबीज हुज्ञानान॥

(श्री चक्रास मन्त्र हु च्योव दस्वान)
जन्म कर्मू र्तय कृति भ्रूकलावान भ्रूरदिश शिव शक्ति वश्य हावान
नतू भक्त्यन वश ह्यस्व तीज ताप॥
भ्रूरक्त माल नोत्य तारस्व हिभ्रू स्वरूप यन्द्रयव नित्य [illegible] नित्यरूप।
सुय काम बीज को जानि व्यवहार॥

نی بھاوہ بینتہ امرتہ واہ برشہ زائے  آپیا یہ مانہ بھوہ نام امرتی شورم توام
تی لنگر بینتہ تنہ ماتر لنگیہ نی یام  برہما دِ بے سورے آپہ کالہ کنیام

۱۳۔ لیس پورش امرت ہشی رژہ چیانہ زانان
امرتی شوری نر بھونچ ترفتی سوران دھیان
سوی کالہ لش بھے رُوزت تار پاوان
برہماتہ دیوتا چھنہ یوُ تھ پدتہ پراوان

---

یاسفائر کاخہ گونہ پوستکہ کونڈ کاڈیام  دیا کھیاسمہ دیتہ کرام شرت بندر شوبھام
پدماسناتہ ہردے بھوہ تیم اداپستے  ماتاسہ دلیشو کوہ تار کیلہ چکر ورتیم

لیس سورہ کنڈل ژیہ بھوشن مالا سفید نآل
۱۴۔ پمبوش سفید آسن اتھہ وتھہ وکھیان وآل
پمبوش چندرہ رنگ زن پنچھ رُوپہ پوزان
سوی نرک وِنرک سیدین ہندراجہ آسان

---

( شری چکرس منتر چھوچون دربار )

امرتیشوری لیس سوری یوُ تھ دھیان  سوی کالہ بھیرنش چھوہ خوزان
برہماتہ دیوتا چھانہ لاچار
سفید مال نآل کنڈل ژیہ بھوشن  وِنا کھیان کران شیت پدم آسن
سورہ لیس بہ دھیان کرہ سیدن پار

ये मानयन्त्यमृत वाहि मिरं ऽघुजालै-
राऽप्यायमान भुवनामऽम्बुधरीं त्वाम्॥
ते लङ्घयन्ति ननु मातरऽलङ्घनीयां
ब्रह्मादिभिः सुरवरैरपि कालकद्यां॥१३॥

युस पुरूष अमृत हिश्शी ज़ूच्यानि ब्रम्भरान।
अमृतीश्वरी चभवनूच्य चफती स्वरान ध्यान॥
सुय कालू निष अभय रजिथ तार पावान।
ब्रह्मा तू दीवता छिनू ज़ाह ति पद पावान॥

---

यः स्फाटिकाक्ष गुणा पुस्तक कुरिऊकाढ्यां।
व्याख्या समुद्यत करां शरदिन्दु शुभ्राम्॥
पद्मासनां च हृदये भवती मुपास्ते।
मातः स विध्वकवितार्किक चक्रवर्ती॥

युस सूरि कुण्डल च्य भूषण माला स्फेद नालम
पम्पोष स्फेद आसन अथ नथ व्याखान नालम॥
सुय कालू निष अभय रजिथ तार पावान।
सुय तरक वितरक स्यधिन छुन्दु राज़ आसान॥
(श्री चक्रास मन्ज़ कुच्योन दरनार)

अमृतीश्वरी युस सूरी युध ध्यान सुय काल भयि निष स्थोन
ब्रह्मात दीवता छिअतिलाचार॥ कु रोज़ान।
स्फेद माल नाल कुण्डल च्य भूषन व्याखान करान शीत पद्म
सूरि युस यि ध्यान करि स्थधिन आसन।
पार॥

ورنا وتم سُویونہ بربر کیشو پاشام  گوشزا ولی کرتہ گنس تنہ ہار شوبام
شامام پروالہ وونا سوکمار رہتام  توام ایود نومہ شورم شورسہ جایالم

۱۵. مس لنگ برتھ پھلوسیت زن مورپنکھ چھی
شاماژیہ موخ دوزل چھوی کومل ژیہ اتھ چھی
گرہنی شکار شوہ سنز شکار روپے
کروں پرنام چھس بوشوہ شخشہ روپے

---

اردھہ کم نوہ لتا للہ تے نہ موگے  کرسیتم وبھو پورشم اردم یدم بھوتیا
آلی جنسیہ پرہ ہاسہ وچام سہ سیکھ  مند سمتینہ توہ دیوی اجڑی ابھوانتے

۱۶. پیبرو وتھن ژیہ اوڈانگ نوہ پوشہ تھرتیوسیت
اوڈیان کورتھہ پورشہ سند وکرول تھووت سیت
اندا اندبہت تہ ولیسہ چھے گیلان ہیڈان ژے
اکہ اسنہ گرابہ سیتن موڑہ تمہ کریمت ژے

---

(شری چکرس منتر چھو چون دربار)

موکھ چھوی دوزل مورپنکھ مس چھوی  شوہ پتنی کومل ژیہ اتھ چھوی
شوہ شنت رولیس چھوی تمکار
شیرت تھرتیو پیبرت ژیہ اوڈیان  اوڈ کورت پورش سند ولیسہ ہیڈان
تردو تنخ اتھن گیہ موڑا کار

बर्हावतंस युत बर्बरकेशपाशां ।
गुञ्जावली कृत घनस्तन हार शोभाम् ॥
श्यामां प्रवालवदनां सु कुमारहस्तां ।
त्वांमेव नौमि शवरीं शबरस्य जायाम्॥

मम लग्न वरिथ फलवत्य ज़न मोर पन्त्र छी ।
शामा च्य मूरख ब्रजुल कुय कोम च्य मथू छी ॥
गृहनी शिकर शिव सून्ज़ शिकार रूपय ।
करूवुन प्रनाम छुस वु शिव शक्ति रूपय॥

अर्थेन किं नवलता लसितेन मुग्धे।
क्रीतं विभोः परुषमर्धमिदं त्वयेति॥
अली जनस्य परिहासवचांसि मन्ये ।
मन्दस्मितेन तव देवि जही भवन्ति॥

पोरोवथन च्य मोडमन्ग नुव पोष अदयन सत्य।
मोडवान करथ पुरुष सून्द व्यकरो थुवुय सत्य॥
मन्दि मन्दि बिहि तू व्यसू छेय गेलान छ्यडान छे।
मकि मसनू ग्रायि सूतिन मुडू तिमू कर्यथ छे॥

(श्री चक्रस मन्ज़ हु च्योन रमन
मूरन कुय ब्रजुल मोर पत्रवस कुय शिव पत्नी कोमत च्य मथ कुय
शिव शक्ति रूपस कुय नमस्कार।
पीरि यर्व पुरिथ च्य मोडवान मोंड कोउथ मूरख सून्द व्यम छे
चोवथ रवमसुन गयि मूडाकार। छ्यडान

برہمانڈ بودہ کدمیکہ سم کلو یم  مایو دد ے وویدہ دوکھ نترگہ مالیم
آ شیچریم امبہ جھٹیتے پرلیم پرپاتے  توت دھیانہ سم تنتر ہما وڈوامو نگلگنو

۱۷. برہمانڈ جل بوبرہ پور مایا یہ ساگر ۱۱۱
چھی تت انیک دوکھ نترنگ بھرپور چھو ساگر ۱۱۱
وڈواگنہ روپ بھگوتی دھیان چون چھو تتھ ناش
جل بوبرنی تنہ دوکھ نترنگ سندرس کران پاش

---

داکھیا بینی نہ کوٹلی تہ گوہار ینی نے  کماتیا بینی تہ کملی تہ کلاوتی نے
ایکاستی بھگوتی پرمار تھو پے  سندر شے بہو وام نتو نترنکی وا

۱۸. چھیک کورستی ژہ دخہ سنترزی کنڈلنی چھک
ہردیچہ گوفا یہ لبسون انتریا منی چھک
کلکا نسروپ لنمی کلاوتی چھک
پرمار تھ ناوہ یم چیان شنمتی ژہ کن چھک

---

(شری چکر س منتر چھو چون دربار)

مایا یہ ساگر برہمانڈ جس بوبر  دوکھ کی نترنگ آولن تہ اودر
وڈواگنہ روپ چھک تت ژہ سمہار
چھک ستی دخہ کور کنڈلنی  ہردیچہ گوفا یہ انتریا نی
لنمی۔ کلاوتی۔ شنمتی ژہ سار

ब्रह्मान्ड बुद्बुद कदम्बक संकुलोयं।
मायोदधि र्विविध दुःखतरङ्ग मालः॥
साश्चर्यमऽम्ब भवितिति प्रलय प्रयाति।
त्वद्ध्यान संतति महावडवा मुखाग्नौ॥

ब्रह्मान्ड जल बुबर पूर मायायि सागर।
की तत सनीक ह्रस्व तरन्ग बरपूर हु सागर॥
वडवागनि रूप भगवती ध्यान च्योन हु तथ नाश॥
ज़ल बुबरनूय तू ह्रस्व तरन्ग सुदरस करान पाश॥

दाक्षायणीति कुटिलेति गुहाररीति।
कात्यायनीति कमलेति कलावतीति॥
एका सती भगवती परमार्थतोऽपि।
संदृश्यसे बुद्बुविधा ननु नर्तकीव॥

ह्यस्व कूर सती तू दक्षि सुन्ज़ ह्रय कुन्डलनी ह्यस्व।
हृदयिचि गुफायि वसवून्य सन्तरयमिनी ह्यस्व।
कलिका सरूप लक्षिमी कलावती ह्यस्व।
परमार्थ नाव यिम च्यान शक्ति तू कुन्य ह्यस्व॥

मायायि सागर ब्रह्मान्ड तत बुबर ह्रस्व की तरन्ग सावलम्
वडवागनि रूप ह्यस्व तत तू संहार तू नुबर
ह्य सती दक्षि कूर कान्डलनी हृदयचि गुफायि सन्तरया-
लक्षिमी कलावती शक्ति तू सार मिनी

آنند لچھمنہ منا صحنہ تا منہ دیشے  نادا تمنا پرہ نتھم نتوہ رُوم ایشے
پرتین موحی نہ منسا پرچی یہ نام  شمستہ نیترہ سلم لئے پوتلکے چہ دھیا

۱۹۔ دھنواد متن چھو ہر دیش یم ژے خان چھی
ملنوان ژیہ نادسی منز ابھیاس کران چھی
ہرش وت شہریہ سیتی من تن سوان چھی
نیترُ وسان اوش تم توتا کران چھی

---

توم چندر کا شششہ نیبو کہ ہر چھتوم  توم چیتا سہ پورتے بھونے بلم توم
توم سواد تا سہ سلم لے شکنے نوتھا  نہ سارم لیے تو تروے بے سیاتے

۲۰۔ ژی چندر مس تہ گاہ چھک سوریس ژدیتی
ژی چیت سہ روپ منش پانیوک تہ سادھرتی
واوس ژیل بھگوتی اگنس وُوشن تی
چھنہ کنہ الگ ژی نش لیسو بیتر دھرتی

---

(شری چکر مس منز چھو چون دربار)

شاباش تس چھو خرابس ژیہ ہر دیں  ابھیاس کرہ طوی ژیہ نادس
توتا کران نراوہ اچھی دھار
چندر مس گاہ تیز چھیک ژہ سوریں  پانس سوادھ چیت چیک پورتس
نارس ژہ یل واوس وُوشنیار

आन्द लच्छ रामऽनाहतनम्मि देवे।
नादात्मना परिणतं तव रूपमी पूं॥
प्रत्यङ्मुखेन मनसा परि चीयमानं।
पूंसन्ति नेत्रसलिलैः पुलकैश्च धन्याः॥

पाबाप तिमन हु हृदयस यिम च्य रवटान ही
मिलवा च्रय नादुस्य मन्ज अभ्यास करा शही।
हर्षवश पुरीद किन्य तिम मन किन्य चरान ही।
न्यव वसान मोपा तिम नोता करान ही॥

---

त्वं चन्द्रिका पाणिन तिम्मरन्धौ रचस्तं।
त्वं चैतनासि पुरुषे पवने बलं त्वम।
त्वं स्वादुतासि साहि लेशिरिवनि त्वमूष्म
निः सारमेतदखिलं त्व दृते यदि स्याद॥

ह्यू चन्द्रमम ति गाह च्यव सूर्यस ह्यू दीपती।
च्रय च्यत सूरूप स्वन्धस्म पात्र्युक ति स्वादती॥
वावस ह्यू बल भगवती अग्नस बुपुन ती।
छुन क्वन्ह अलग च्यथि निपा युस ईश च्य धरणी

---

(श्री चक्रस मन्ज़ हु चोन दरबार)
पाबाप तस कुरवटि युस हृदयस अभ्यास करि च्य मिलव नाद
तोता करान त्रावि अपा चीदार॰
अन्धर्मस गाह तीज़ सूर्यस पानिस स्वाद च्यथ च्यरव पुरुषस।
नारस ह्यू बल वावस बुपान्यार॰

جو تمشہ بیت دیوہ چرنتہ یدنتہ رکھم  سُوتے پیاسہ یدہ نیم چہ دتے
بیت واتہ والیو رانلویت اودر چراتے  تت سارم امبہ توہ کیوم آگنیئے وا

۲۱۔ آگنیا یہ چیانہ سیتی تراوان چھ میگھ پون
تارخ سُوریہ چندرمہ گگنس چھو پھیروون
والیو لکھان تہ شیش ناگ پرتھوی چھو داران
چیانے چھایئے آگنچہ ریہہ ہیور چھیہ لاران

---

سنکوچم چھیسہ یداتدا نیہم  واخ ترکہ یو توسہ بھومیر انامہ رُوپا
یدوا ویکاسم اوپیاسہ یداتدانیم  توت نام روپ گنتا سوکری بھوتے

۲۲۔ سنکوچ کران زگتنک یلہ چھک ژہ گرجے
وآنی تہ من بنان شُون دونوے چھ گرجے
ویکاس کن ورن چھی گون ناؤ گرجے
تزجون بنان چھو تیلہ یلہ اونمیش ژہ گرجے

---

( شری چکرس منز چون چھو دربار )

چیانہ آگنیا یہ تراولان میگھ پون  تارخ سُوریہ چندرمہ پھیروون
اگنچہ ریہہ ہیور شیش ناگ آدھار
تزین زگتس یلہ چھک ژہ وٹن  من تہ وانی چھ شن دونوے بتن
ویکاسہ کن بنان نوؤی سنسار

ज्योतींषि यद्दिवि चरन्ति यदन्तरिक्षं।
सूते पयांसि यदऽहिर्धरणीं च धत्ते॥
यद्वाति वायुरऽनलो यदु दर्चिराऽस्ती।
तत्सर्वमऽम्ब तव केवलमाऽज्ञयैव॥

आज्ञायि च्यनि सूती त्रावान छि मीघ पोज।
तारव सर्य चन्द्रम् गगनस छु फेरवोन॥
वायो पकान यि पृथ्वी पीषनाग छु दारान
च्याने यच्छायि आगूच रयह ह्योर छ्यलारान॥

---

सङ्कोचमिच्छसि यदा गिरिजे तदानीं
वाक्तर्कयोस्त्वमसि भूमिरऽनामरूपा॥
यद्वा विकासमुपयासि यदा तदानीं।
त्वन्नाम रूप गणनाः सकुरी भवन्ति

सन्कुच करान ज़गतुक यलि छ्यख चू गिरिजे।
वानी तू मन बनान शुन्य दुनवय छि गिरिज़े"
व्यकास किन्य वर्ण छी गुण नाव गिरिजे
च्यभवन बनान छु व्यलि यलि उन्मीलू चू गिरिजे॥

---

(श्री चक्रस मन्ज छु च्योन दरबार)
च्यनि आज्ञायि मीग त्रावान पोज तारव चन्द्र सूर्य फेरवोन
आगूच रयह ह्योर पीषनाग आधार
च्यन ज़गतन यलि छ्यख वटान मन वानी छिपान दुनवय
व्यकास किन्य बनान चुवुय संसार० बनान

بھوگا یہ دیوہ بھوتیم کرتنا پرنبے  برُو کم کری کرتہ سروزگرہا سپھرا
چنتامنے پرچیہ کلینہ کیلہ شیلے  کلپو درھو پوُنہ ایہوہ چرم رشتے

۲۳۔ لیُس کری پرنام ژیہ ہیہ کھینہ چینہ خاطرہ چون ناؤ
لیس بونمبہ گرایہ اکہ سیت بنہ پورنہ گرہ بھاوم
لبہ الشوری تہ کلپہ ورکھ باغس سوکرہ کراوٗ
پچھا ل گندان شوبرہ چنتامن کورہس چاوٗ
ہتم تومہ ایہوہ بھوسے تت ادیم آیتے  سمارہ تایم اکھلیم دیا پشونام
وے کرتنیم کرنہ سم ہتیرایہ شیتیا  گرم نرم شمیتم نجہ ایہوہ درشیا

۲۴۔ کرمہ پاشہ سیت بندلیس منشہ روپ پشوچھوی
آدیس ژیہ تاپ تریہ وردھی ہند کا سنج لیس ژی
ایتے ادیا یہ کن یترھہ شلکی تھوان ژی
یتھہ دورکرن پنون تاپ زان چھو با سکر

---

( شری چکرس منتر چھو چون دربار )

لیس ہیوان بھوگو کن چون ناؤ  تس بنان اکہ نظرے چھو سوی بھاؤ
کلپہ ورکھ باغس چھو بران چاوٗ
کرمہ پاشہ بندچھیس منشہ روپ  سامرتھہ ژیہ مآج چھک تاپ دورکر
سوریہ بیتھہ پانس کران شہجار

भोगयि देवि भवतीं कृतिनः प्रणम्या।
भ्रूकिंकरी कृत सरोजभुवः सहस्रैः
चिन्तामणि प्रचय कल्पित कोलिपालैः।
कल्पद्रुमोपवन एव चिरं रमन्ते॥

युस कारि प्रणाम च्य ह्यायि रुयन च्यन रवातस
तम चुम्बु ग्रायिम्ल कि मृत्य बनि पूर्ण ग्रहभाव। च्योनमान
लबि ऐश्वरी तू कल्प वृक्ष भागस सु करि क्राव
यक्काल गिन्दान सु बरि व्यक्तामन कु हस चाव॥

---

इन्तुं त्वंमेव भवसि त्वदऽधीनभीरो।
संसार तापमऽखिलं दया पशूनाम॥
वैकर्तनी किरणासं हृति रेव शक्ता
धर्मं निजं प्रमथितुं निजैव वृष्ट्या॥
कर्म पाप्ल मृत्य बन्द युस मनुष रूप प्रश ह्यय।
माधीन च्य ताप त्रिविद्धि हून्दि कासरबतस चूय॥
ईश्वी! दयायि किन्य इन्द्र शक्ति अवान मृय।
थिथ दूर करुन पनुन ताप ज्ञानान कु भस्कर॥

---

(श्री चक्रस मन्त्र च्योन दवार)

युस ह्यवान भगव किन्य नाव तस बनान ग्रकि चजरे मुय
कल्प वृक्ष भागस बुकरान चाव॥ भाव।
कर्म पाप्ल बन्द कुम मनष रूप खर सामथ्य न माज ताप दूरकर
सूर्य थिथ पानस करान ग्राहजार।

شکتی شریرم ادھ دئیوتم انترآتما  گیانم کریا کرنہ مالسہ جالم بچھا
ایشوریم اینند ماورنا نچہ تومم  کیم تت نہ یت دیوہ ششوانکہ ئولیم

۲۵ شکتی شریر ۔ ہرن گرب جیو آتما ۔ گیان
کریا تنیندریہ زہ چھیک آسن گرہستان
بچھا نہ ایشوری چھک چندرہ شیکھرس مان
شنو سند سروپ پس چھوی سوی روپ آسان

---

۲۶ بھومو نورنتر وونا پیہ سے پرتشٹا  ویدیا نلے مروتہ شانتر اتی نہ شانتی
ویومے تہ یا کیلہ کلا کلہ نیتہ وشوم  تاسام ویدورتم امبہ پدتو دیام

۲۶ پرتھوی منتر نورنتی چھک شانتی زہ واوس
ویدیا کلا ژانچہ اتی شانتی گگلہ نس
پانچہ کلا پرتشٹھا دھاران چھیہ جگتس
چون روپ سیٹھا چھو بوڈ کوت کلا سروپس

---

( شری چکرس منتر چھوچون دربار )

شکتی جیو آتما شریر گیان  کریا تنیندریہ چندر شیکھرس مان
شنو سند سروپ تری شوآکار
واوس شانتی اتہ شانتی گگنس  میترہ منتر نورنی ویدیا اگنس
پانچہ پرتشٹھا کلا روپ پار

शक्तिः शरीरमाधिदैवतऽमन्तरात्मा।
ज्ञानं क्रिया करणामानसजालमिच्छा
ऐश्वर्यं मायतनमावरणानि च त्वं।
किं तन्न यद्भवसि देवि शशाङ्कमौलेः॥

शक्ति शरीर हिरण्यगर्भ जीवमात्मा ज्ञान।
क्रया तू यन्त्रयि तू ह्यस्व आसन गृहिस्थान
यच्छा तू ऐश्वरी ह्यस्व चन्द्र शिरवरस मान।
शिव सून्द सरूप तूय ह्यस्व यस रूपसु मासा

---

भूमौ निवृत्तिरुदिता पयसि प्रतिष्ठा।
विधानले मरुति शान्तिरतीत शान्ति
व्योमीति याः किल कला कलयन्ति
तासां विदूरतरम्ब। पदं त्वीयम॥ वि

पृथ्वीयि मन्ज निवृती ह्यस्व शान्ति तू वावस
व्यया कला तू मगनूच मति शान्ति गगनास॥
पानिच कला प्रत्यष्टा दारान ह्य जगतास।
च्यो रूप स्यठा कु ध्रुव कला सरूपस॥

---

(श्री चक्रस मन्ज कु च्योन दरबार)
शक्ति जीवमात्मा शरीरज्ञान क्रया यन्त्रय यन्त्रेश्वरस
शिव सुन्द सरूप तू शिवमाकार० मा
वावस शान्तिमति शान्ति गगनस व्यत्रि मन्ज निवृती
पानिच प्रतिष्ट कला रूप पार० विद्या मग

یاوت پدم پدسوجہ یوگم تودیہم — نانگی کروتہ ہردیشو جگت شرنے
تاوت وکلپہ جٹلا کوٹلہ پرکارا — نرکہ گرہاسمنا پرلیہم نہ پاپنے

۲۷ یوت نام انیک مت واہل پاد کمل جھور جہان
ہردیہں اندر رٹت نم کرنے نہ پھوٹ جہان
توت نام کوٹیل نہ دورا بودھ سمشئے دوشنک
نے نرک لوٹرک ھٹ روپ سمشئے گلنک

---

یت دیوپان پیتریان دہارم یکے — کرتوام نا کرنہ منگلسا روہ بھوم
پانے نولیشہ توہ کارنہ پنچ کلے — پروادہ پاروتہ نیشتہ نجا سنتم

۲۸ یس دیوہ یان نہ پیتریان ما نت کنی وت
بندرے نہ من رٹت شمدمہ کن پکی تت
وتہ چیا نہ منتر شوانہ پانچوے کہارن آسن
یوگی یوتھوی یمن تھود چھو باسن

---

(شری چکرس منتر چھو چون دہار)

انیک مت یوت نام رٹنے نہ پاپ جان — نزاون نہ سمشئے کوٹیل نم پرآن
توت نانی روزن سمشئے دار
دیوہ وت تہ پیترہ وت زانلیں انج — بندرے من رٹت شمہ پکہ تت
پانچ کارن خس آسن کہار

यावत्पदं पदमरोजयुगं त्वदीयं ।
नाङ्गी करोति हृदयेषु जगच्छरण्ये॥
तावद्वि कल्प जटिलाः कुटिलप्रकारा-
स्तर्कग्रहाः समयिनां प्रलयं न यान्तिः॥

श्रुत तान्य श्रनीक मतवाल पाद कमल ज्यूर च्यांत्र।
हृदयम श्रन्दर रटिश तिम करनम न पूज़ च्यांत्र॥
श्रुत तान्य कोटयल तू दूर बुध संशय तिवृथनरव
नय तर्क वितर्क हटरूप संशयति गलनरव॥

---

यद्वैवयान पितृयान विहार मेके।
कृत्वा मनः करण मंड सार्वभौमम्॥
याने निवेशय तव कारण पञ्च कस्ये।
पर्वारिण पार्वति व्यन्ति निजासनत्वम॥

युम दीवयान तू पितृयान जानिश कुनीवथ।
यन्द्रय तू मन रटिश घ्राम दम किन्य पकी तथ॥
वति च्यान्य मन्ज़ सुश्रानि पांच कारण श्रासन
यूगी युशुय इमन श्रुद कु भासन॥

---

श्रनीक मत श्रुत तान्य रटनन पद व्यान च्यवन तू कुटचल
श्रुत तान्य रोज़न संपायदार० सम्पाय प्रा
देववथ पितृ वथ ज़ानि यसम्रव यन्द्रय मन घ्रम दम पक्वर
पान्च कारण तमिस श्रासन कहार०

ستھولا سومو رشی پر مکھا سومو رتے  لسیا شچا پہ توہ وے بھوم اسر لیا
پتا ترا مہ نہ شکیہ ایوہ وقتوم  ساسے تونا کیلہ ہی نہ شتہ خنہ نیم

۲۹. مایا پہ پیٹھ پر تھوی تان لیس ستھول مورتی
کانتھ چھنہ تھوان پہ امبا ابیتر ھہ چیان وبوتی
ونتھی بھگان نہ گورہ پت بیتر ھہ چیان وبوتی
خما کروتم میہ ون بیتر ھہ تر ھہ چیان وبوتی

---

کمالا گنہ کوٹہ روحم امبہ شدو شیام  واپلا ونیشو بھوشم امرتولہ ورشام
شامام گس تنہ تاسکلی ازیچھ  دیا ینتہ ایوہ جگتام گورو بھوشی

منتروں توت کمالا بدھوں چھو سمار
اگنی گرو کمالہ روپ کمنیہ چھو سمار
یم روپ سیوان تمن امرتہ ورپ رچار
شاما پر کاش ویمرش روپ سورہ بنہ گورآکار

(شری چکر میں منتر چھو چون درباں)

مایا نہ پرتھوی منزلیس روپ  کینسہ چھو نہ آسان یوتھ ہیورت
برہسپت منڈ چھو روحہ نہ وار
منتروں توت کمالا سمار  اگنی گرو روپ چین تت چھو سمار
سورہ لیس یہ روپ بنہ گورآکار

स्थूलासु मूर्तिषु मही प्रमुखासु मूर्ते।
कस्यास्त्वनापि तव वैभवमम्ब मय्याः॥
पत्या गिरामपि न शक्यत एव कर्तुं।
सामि स्तुता किल मयेति तितिक्षितव्यं॥

मायायि त्वत् पृष्ठिबायि युस स्थूल मूर्ती।
कान्ह हुन थवान यि म्मा! यक्छ हिपत्यभू
वनिथूय ह्यकान नू बृहस्पत यिक्छ च्याय न्यभू
क्षमा कुरुम म्यवन्य यक्छ तिक्छ चान्य न्यभूती॥

---

कालाग्नि कोटिरुचिमम्बा षडध्वशुद्धा,
वाप्लाननेषु भवतीमऽमृतौघ वृष्टिम
श्यामां घटस्तनतटां सकली कृतौच।
ध्यायन्त एव जगतां गुरवो भवन्ति॥

मन्त्र वरण पद भवन तत्त्व कला हु संसार।
म्मन्नी करोर कालरूप तिमनूय हु संहार॥
इम रूप सुरान तिमन म्मृत वर्षनूच सार
क्षामा प्रकाप्य व्यमर्षी रूप सुरि वनि गुरम्माकार॥

---

(श्री चक्रसमन्ज हु च्योन दरबार)
माया तू पृथ्विी मन्त्र युसरूप कांसि हुन म्मासा
बृहस्पत मन्द छव हुतु सन वा
मन्त्र वर्ण तत्व कला संसार मगनी रूप च्याज
सुरि युस इ रूप वनि गुरम्माकार॥

ویدھیام پرام کرتہ چت امبرم امبک چت آنندم ایوہ کلپتہ مت کلپتہ مایام
توام وشنو آہور اپرویہ نام انامہ سانیات اپارکرنا گورہ موہ تمسیم ایوہ

۳۱۔ کیہہ چھی ونان چت شخت سروہ دیا پنی چھک
مایا ویراٹ آنند روپ چون لی چھک
دیا پہ روپ اسہ رشی گورہ مورتی چھک
پرنام دیا پہ روپس سانیات دیا چھک

---

کوہ لیہ دلہ نیلم سبزہ سنگرہ کشیم پرتھم ترہ کوزہ بارام کرانتہ کانتا و گنیم
کم سیہہ بھو بیرو اخشنت سروم پرکرنا سکلہ بھون مانا سنتم سنڈہ توام

۳۲۔ وزہ وزہ توتا پرنہ ست بیہ زریہ گیرتنے سیت
بوڈ سروپا چون لیس چھوی گزھ بوڈیشون لواسیت
تہ لوا اوت گزھ وچھن لی چت سروپہ درشنی سیت
چون سروپا سادھکس مے تہ گزھیم پاسنوی مت

---

(شری پھکس مغفر چھو چون دیار)

چت شخت مایا سروہ دیا پک ویراٹ آنند روپ لی چھک
چھوی پرنام گورہ مورتی دیا کا سیت
وزہ وزہ توتا کیرتنہ ست بوڈ سروپہ گزھ بوڈیشون لوا سیت
تی تا وتی بھاوسا نیا لاسہار

विद्यां परां कांतिचिदम्बरमन्द केचि-
दाहुर्नन्दमेव कतिचिच्च मायाम् ॥
त्वां विश्वमा हुरपरे वयमामनाम् ।
साक्षात्कार करणां गुरुमूर्तिमेव॥

क्यन्ह छी वनान च्यत युक्त सर्व व्याप्यनी ह्यरव
माया व्यराट आनन्द रूप चोन ती ह्यरव॥
दयागि रूप आसि निश गुरमूर्ती ह्यरव ।
प्रणाम दयायि रूपस सा क्षात दया ह्यरव॥

---

कुवलय दल नीलं बर्बरा स्निग्ध केशं ।
पृथु तर कुच भारा क्रान्त कान्ता वलग्नम्॥
किमिह बहु भिरुक्तै स्त्वत्स्वरूपं परंनः ।
सकल भुवन मातः सन्ततं सन्निधत्ताम्॥

निज़ि निज़ि स्तोत्र परनू सत्य ब्यायि च्य कीर्तन करनू सत्य।
बुड सरूप च्योन युस हुय गच्छ बुडेयुन लोल सत्य॥
नच बुवोतुत गच्छ बुडुन ई च्यत सरूप दर्शनय सत्य।
चोन सरूप साधकास म्ये न्यति गच्छि बासुन म्य सत्य॥

---

(श्री चक्रस मन्त्र छु च्योन दरबार)
च्यत शक्ति माया सर्वव्यापक व्याट आनन्द रूप ती ह्यरव
हुय प्रणाम गुरमूर्ती दयाकरव
निजि निजि तोत्र कीर्तन सत्य बुड सरूप गच्छ डेयुन बुलोल सत्य
ई हावती भाव साक्षात्कार॥

اوم

# شری سوکت

تنہ جامہ زر کار نال سوندر مار
پہپوش دار لچھی نمسکار

ہی اگن رازہ لچھی اتن میانہ بابت کرسوآ واہن
سونہ رنگ تن سیوں رچن کی ہار
ہی اگن رازہ لچھی اتن لچھی ناتھی چھیہ سو چھیہ نتی
سوں تہ سنتان دیہم گرہ گاؤ دراوا رکیت
دیوی لچھ چھیہ ہرو ہیہ گرچھیہ ہیہ ہست ناو بوزگ تھا رکیت
لچھی چھیہ قادیہیہ نامگھات کمار
ساکھات برہمہ اسوں موخ تیز مے مودیا ہے پورن کام سوکھ
نال چھیں سوندر آورن شوبھار
پدم آسن سان پدم در نا آواہن چھوتن تس چھیہ وندنا
سوولی چھیہ بھگتن بیٹھ انوگہ کمار
شرنارتھی تس لاران بوی لیں سفید چندر دیپتی رنگ ہوی
دیپوزان چھیں سیوا کار
دیپمان سندر شال لیشوولی اودھار شیل سندر شال پداولی
دریدر ژٹھ میہ چھیں شرن استار
سوریہ آکاش روپ ہے دیوی چیانہ تپہ کرن بیل درکھ زاوئی
سوئی پھل دریدر کرہ سہار
منہ بدر کوبیر کیرتی دم بیت دلیش زاس دھنلیش دم
کرتی نہ ریدی کرمیہ پرہار

ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नमः

अरुणकमलसंस्था तद्रजःपुञ्जवर्णा
करकमलधृतेष्टाभीतियुग्माम्बुजा च।
मणिकटकविचित्रालङ्कृतां कल्पजालैः
सकलभुवनमाता संततं श्रीः श्रियै नः॥

گلاب رنگ پہوشن پیٹھ بہت  پیت ورن پہوش نال ژھنت
ور دیئے زہ پہوش دارونی  نال چس زن سار رتن ہنری
شوبھایہ مان شوبھہ سان پرزالن  آہوتن نال تم تر شوبھان
جنی چھیہ توکن چھیک ولیتار  سوی ہا لخی دیہ تن دھند دیار

गुलाब रङ्ग पम्पोषन प्यठ विहिथ
पीत वर्ण माला नाल्य क्ह्यूनिथ
वरअभय ज़ू पम्पोष दारूबनी
नाल छिस रत्न सार रतनन हुन्ज़ूय
प्रूबायि मान प्रूनिसान प्रज़लान
आभूषन नाल्य तिम ति प्रूबान
जननी द्य लूकन द्यारव न्यस्तार
मूय सहालादमी दियितन धन दियार॥

بوچھہ ترلش یوسہ چیانہ بچہ بیہ چھے ناش کرالنی ہند گو نے
امنگل تہ دربار سانہ گھرہ مار
دُرا درشا نیتی پوشٹہ روپے گیو تہ گندوتی پرتھی سروپے
تلی چھ آواہن بیہ میون دار
ن کاھنا سنکلپ سیدھی دانی پوزھاشن دم ژی
واخ دم متوی تھوست ویچار
گاولش تہ رنگ رنگ ان بھوگ دم لیش دم روپ دم ژی گھرہ یم
بھوگ پدارت روپ پدھار
لنمی پوتر کردم سندھ ستان سانہ گھرہ پیریوش جنمتان
چیدہ گٹھ سانہ گھرہ لنمی دار
پدم مالا ترصنہ بیہ چیان ماتا بیہنا وتن سو سانہ گھرہ ساتا
سانس کولس متر تی ولیتار
لنمی پوتر ہے چکلیتہ ژی سانہ گھرہ آج ہیتہ ژتہ روزی
پیدکر بدارتھ سوتہ رسہ دار
آردہ سوبھاوا بدمہ ہستا پوشٹہ روبا بیہ پوتی ہرتا
نال چھس پمپوشن ہند ار
چندرہ ہش پرزلان لیس زون سون دار لنمی سون تنیان
آواہن اگنہ کروس میون دار
گالون دوشن چھے کومل لیشٹ پوشٹ روپا دوان چھہ منگل
سندر ورن سوریہ سروپ دار
سون مال نال چھس چھہ سوبھان سون کرتس اگنہ آواہن
ناشہ رژھہ لنمی کرو ونسون دار
گرتہ گاؤ پوتر داس دیہ کوت ال گیو آہو تیو پرہ یہ ولیتال
شودہ چیت رعوزت پرہ بار بار

ادم ہا نچھے تمہ
سپرو

ادم پرہ شنے تمہ
سپرو